



मेरी कार

लेखन एवं चित्रांकन: फिदी पुलु

मैं खेलती हूँ। मैं सात साल का हूँ। मेरे पास एक कार है, सुंदर और लम्बी कार! पापा ने मुझे मेरे जन्मदिन पर बना कर दी थी। मुझे अपनी कार बहुत पसंद है। उसे दिनभर चलाते रहना, मुझे अच्छा लगता है।

डूम्म... मैं यहाँ जाता हूँ, डूम्म... मैं वहाँ जाता हूँ। मैं बिना अपनी कार के कहीं नहीं जाता। मैं अपनी कार लेकर रिश्तेदारों से मिलने जाता हूँ, स्कूल में मेरे दोस्त मेरी कार देखकर ललचाते हैं।

मुझे दादी माँ से बहुत प्यार है और वह मुझे कार चलाते देखकर खुश होती हैं। मैं अपनी कार से घर के चारों ओर घूम सकता हूँ। अपनी कार में बैठ कर मैं धरती का चक्कर लगा सकता हूँ। मैं अपनी कार से सूरज, चंदा और तारों के भी चक्कर लगा सकता हूँ।

मेरे छोटे भाई को मेरी कार की सवारी बहुत पसंद है। माँ हमें ऐसा करने से मना करती हैं, लेकिन हम कहाँ सुनते हैं! अब मेरे हाथ से मेरी कार गई... और मेरे भाई के मुँह से उसका दाँत! लेकिन, हम अब भी घूमते रहते हैं... डूम्म... भाई मेरी पीठ पर और मैं हवा में!

समाप्त

Click below to follow us:



YouTube

facebook



PRATHAM
BOOKS

A Book in Every Child's Hand



This story has been provided for free under the CC-BY license by Pratham Books. Originally illustrated by Phidi Pulu.

